निर्देशन व परामर्श प्रकोष्ठ

इस प्रकोष्ठ की स्थापना 2011 में हुई जिसके संयोजक श्रीमती सुमन पाण्डेय हैं इस प्रकोष्ठ का निर्माण विभिन्न उददेश्यों को लेकर किया गया –

मुख्य उददेश्य

- प्रशिक्षार्थियों की व्यक्तिगत समस्याओं का समाधन करना
- प्रशिक्षार्थियों को विविध व्यवसाय, पेशा उवं नौकरी के लिए वांछित योग्यता के बारे में जानकारी प्रदान करना
- प्रशिक्षार्थियों को सामाजिक व्यवहार के बारे में सूचना उवं परामर्श देना

संपादित गतिविधयां

सत्र 2011–12

- प्रथम सत्र में निर्देशन व परामर्श प्रकोष्ठ के अंतर्गत निम्न परामर्श व निर्देश दिए गएं प्रशिक्षार्थियों को प्रशिक्षण से होने वाले लाभ व्यवसाय व अन्य उच्च शिक्षा से संबंधित जानकारी दी गई।

सत्र 2012–13

- इस सत्र में भूतपूर्व छात्रों द्वारा प्रशिक्षार्थियों को निर्देशन दिया गया।
- प्रशिक्षण प्राप्त करने के बाद शिक्षक बनने के अलावा और भी बहुत से क्षेत्रों में कार्य किया जा सकता हे भूतपूर्व छात्रों ने यहां से सीखे गए कौशलों को कहां उपयोग किया जाना चाहिए इसके बारे में बताया।
- व्यक्तिगत समस्याएं उच्च शिक्षा व्यवसाय संबंधी जानकारी व्यवहार एवं मूल्य से संबंधित जानकारी पर चर्चा।

सत्र 2013–14

- दिनांक 13/01/2014 को एलुमनी एसोसिएशन की ओर से निर्देशन व परामर्श पर सेमीनार का आयोजन किया गया इस सेमीनार में एलुमनी एसोसिएशन के सचिव श्री अजीत शुक्ला द्वारा छात्रों को शिक्षा क्षेत्र से जुड़े विभिन्न व्यवसायों की जानकारी प्रदान की गई।
- दिनांक 22/11/2014 को डॉ.अब्दुल सत्तार प्राचार्य रावतपुरा संस्थान कुम्हारी द्वारा परामर्श के विषय में विस्तृत जानकारी प्रदान की गई।

सत्र 2014–15

- दिनांक 19/11/2015 को श्री प्रदीप पाटिल शाखा प्रबंधक,सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया विवेकानंद आश्रम रायपुर द्वारा विद्यार्थियों को बैंक से संबंधित बहुत सी जानकारी प्रदान की। महाविद्यालय के समस्त विद्यार्थियों को बैंकिंग गतिविधियों की सूचना व जानकारी दी गई तथा रोजगार के अवसर पर भी व्यापक चर्चा हुई।